

TIPS AND TRICKS TO MEMORIZE SHABDARUPAS PART - 1 (FOR SCHOOL STUDENTS)

शब्दरूप-धारण-युक्तयः भाग - १

TEACHER:

SMT. MAMATHA L.S.





शब्दरूपाणि



गुरुरेव गतिः गुरुमेव भजे गुरुणैव सहास्मि नमो गुरवे। न गुरोः परमं शिशुरस्मि गुरोः मितरस्ति गुरौ मम पाहि गुरो ॥



प्रथमा-विभक्ति-द्विवचनम्, द्वितीया-विभक्ति-द्विवचनम् forms of all Śabda-s are same (Except some सर्वनाम Śabda-s)

Sample Śabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मति

| | अकारान्तः पुंलिङ्गः | आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः | अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः | इकारान्तः पुंलिङ्गः | | इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः |
|--------------------|------------------------|---------------------------|---------------------------|------------------------|------|---------------------------|
| प्रथमा/द्विवचनम् | रामौ | रमे | फले | हरी | गुरू | मती |
| द्वितीया/द्विवचनम् | रामौ | रमे | फले | हरी | गुरू | मती |



प्रथमा and सम्बोधना प्रथमाविभक्ति-द्विवचनम्/बहुवचनम् forms of all Śabda-s are similar (*Except some सर्वनाम Śabda-s)

Sample Śabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मित

| | अकारान्तः | आकारान्तः | अकारान्तः | इकारान्तः | उकारान्तः | इकारान्तः |
|---------------------|-----------|--------------|--------------|-----------|-----------|--------------|
| | पुंलिङ्गः | स्त्रीलिङ्गः | नपुंसकलिङ्गः | पुंलिङ्गः | पुंलिङ्गः | स्त्रीलिङ्गः |
| प्रथमा-द्विवचनम् | रामौ | रमे | फले | हरी | गुरू | मती |
| बहुवचनम् | रामाः | रमाः | फलाः | हरयः | गुरवः | मतयः |
| सं.प्रथमा-द्विवचनम् | हे रामौ | हे रमे | हे फले | हे हरी | हे गुरू | हे मती |
| बहुवचनम् | हे रामाः | हे रमाः | हे फलानि | हे हरयः | हे गुरवः | हे मतयः |



तृतिया-विभक्ति-द्विवचनम्, चतुर्थी-विभक्ति-द्विवचनम्, पञ्चमी-विभक्ति-द्विवचनम् forms of all Śabda-s are same.

Sample Śabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मति

| | अकारान्तः | आकारान्तः | अकारान्तः | इकारान्तः | उकारान्तः | इकारान्तः |
|-------------------|------------|--------------|--------------|-----------|------------|--------------|
| | पुंलिङ्गः | स्त्रीलिङ्गः | नपुंसकलिङ्गः | पुंलिङ्गः | पुंलिङ्गः | स्त्रीलिङ्गः |
| तृतीया-द्विवचनम् | रामाभ्याम् | रमाभ्याम् | फलाभ्याम् | हरिभ्याम् | गुरुभ्याम् | मतिभ्याम् |
| चतुर्थी-द्विवचनम् | रामाभ्याम् | रमाभ्याम् | फलाभ्याम् | हरिभ्याम् | गुरुभ्याम् | मतिभ्याम् |
| पञ्चमी-द्विवचनम् | रामाभ्याम् | रमाभ्याम् | फलाभ्याम् | हरिभ्याम् | गुरुभ्याम् | मतिभ्याम् |



षष्ठी-विभक्ति-द्विवचनम्, सप्तमी-विभक्ति-द्विवचनम् forms of all Śabda-s are same.

Sample Śabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मति

| | अकारान्तः पुंलिङ्गः | | अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः | इकारान्तः पुंलिङ्गः | उकारान्तः पुंलिङ्गः | इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः |
|------------------|------------------------|-------|---------------------------|------------------------|------------------------|---------------------------|
| षष्ठी-द्विवचनम् | रामयोः | रमयोः | फलयोः | हर्योः | गुर्वोः | मत्योः |
| सप्तमी-द्विवचनम् | रामयोः | रमयोः | फलयोः | हर्योः | गुर्वोः | मत्योः |



चतुर्थी-विभक्ति-बहुवचनम्, पञ्चमी-विभक्ति-बहुवचनम् forms of all Sabda-s s are same. Sample Sabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मित

| | | | अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः | | | |
|------------------|----------|---------|---------------------------|---------|----------|---------|
| चतुर्थी-बहुवचनम् | रामेभ्यः | रमाभ्यः | फलेभ्यः | हरिभ्यः | गुरुभ्यः | मतिभ्यः |
| पञ्चमी-बहुवचनम् | रामेभ्यः | रमाभ्यः | फलेभ्यः | हरिभ्यः | गुरुभ्यः | मतिभ्यः |



पञ्चमी-विभक्ति-एकवचनम्, षष्ठी-विभक्ति-एकवचनम् forms of all Śabda-s are same, except अकारान्त-पुंलिङ्ग and अकारान्त-नपुंसकलिङ्ग and सर्वनाम Śabda-s.

Sample Śabda-s – राम, रमा, फल, हरि, गुरु, मित

| | अकारान्तः पुंलिङ्गः | आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः | अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः | इकारान्तः पुंलिङ्गः | उकारान्तः पुंलिङ्गः | इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः |
|----------------|------------------------|---------------------------|---------------------------|------------------------|------------------------|---------------------------|
| पञ्चमी-एकवचनम् | रामात् | रमायाः | फलात् | हरेः | गुरोः | मत्याः/मतेः |
| षष्ठी-एकवचनम् | रामस्य | रमायाः | फलस्य | हरेः | गुरोः | मत्याः/ मतेः |



Read these Śabdarūpa-s

| | एकवचनम् | द्धिवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|---------|------------|----------|
| प्र.वि | देवः | देवौ | देवाः |
| सं.प्र | हे देव | हे देवौ | हे देवाः |
| द्धि.वि | देवम् | देवौ | देवान् |
| तृ.वि | देवेन | देवाभ्याम् | देवैः |
| च.वि | देवाय | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |
| प.वि | देवात् | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |
| ष.वि | देवस्य | देवयोः | देवानाम् |
| स.वि | देवे | देवयोः | देवेषु |

| | एकवचनम् | द्घिवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|---------|-----------|----------|
| प्र.वि | कविः | कवी | कवयः |
| सं.प्र | हे कवे | हे कवी | हे कवयः |
| द्धि.वि | कविम् | कवी | कवीन् |
| तृ.वि | कविना | कविभ्याम् | कविभिः |
| च.वि | कवये | कविभ्याम् | कविभ्यः |
| प.वि | कवेः | कविभ्याम् | कविभ्यः |
| ष.वि | कवेः | कव्योः | कवीनाम् |
| स.वि | कवौ | कव्योः | कविषु |



If the word has ऋ, र्, ष्, (निमित्त letters णत्व) use ण् – रामेण, हराणाम्

| | एकवचनम् | द्धिवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|----------|--------------|-------------|
| प्र.वि | पुष्पम् | पुष्पे | पुष्पाणि |
| सं.प्र | हे पुष्प | हे पुष्पे | हे पुष्पाणि |
| द्धि.वि | पुष्पम् | पुष्पे | पुष्पाणि |
| तृ.वि | पुष्पेण | पुष्पाभ्याम् | पुष्पैः |
| च.वि | पुष्पाय | पुष्पाभ्याम् | पुष्पेभ्यः |
| प.वि | पुष्पात् | पुष्पाभ्याम् | पुष्पेभ्यः |
| ष.वि | पुष्पस्य | पुष्पयोः | पुष्पाणाम् |
| स.वि | पुष्पे | पुष्पयोः | पुष्पेषु |

| | एकवचनम् | द्घिवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|---------|-----------|----------|
| प्र.वि | हरः | हरौ | हराः |
| सं.प्र | हे हर | हे हरौ | हे हराः |
| द्धि.वि | हरम् | हरौ | हरान् |
| तृ.वि | हरेण | हराभ्याम् | हरैः |
| च.वि | हराय | हराभ्याम् | हरेभ्यः |
| प.वि | हरात् | हराभ्याम् | हरेभ्यः |
| ष.वि | हरस्य | हरयोः | हराणाम् |
| स.वि | हरे | हरयोः | हरेषु |



If a consonant belonging to चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग, श, ष or स comes between निमित्त letter and न्, then न् is retained. Ex - कृष्णानाम्, राशीनाम्

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|----------------|--------------|-----------------|
| प्र.वि | <i>के ब</i> ाः | कृष्णौ | <i>के ब</i> गाः |
| सं.प्र | हे कृष्ण | हे कृष्णौ | हे कृष्णाः |
| द्धि.वि | कृष्णम् | कृष्णौ | कृष्णान् |
| तृ.वि | कृष्णेन | कृष्णाभ्याम् | कृष्णैः |
| च.वि | कृष्णाय | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| प.वि | कृष्णात् | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| ष.वि | कृष्णस्य | कृष्णयोः | कृष्णानाम् |
| स.वि | कृष्णे | कृष्णयोः | कृष्णेषु |

| | एकवचनम् | द्धिवचनम् | बहुवचनम् |
|---------|---------------|------------|----------|
| प्र.वि | राशिः | राशी | राशयः |
| सं.प्र | हे राशे | हे राशी | हे राशयः |
| द्धि.वि | राशिम् | राशी | राशीः |
| तृ.वि | राश्या | राशिभ्याम् | राशिभिः |
| च.वि | रास्यै/राशये | राशिभ्याम् | राशिभ्यः |
| प.वि | राश्याः/राशेः | राशिभ्याम् | राशिभ्यः |
| ष.वि | राङ्याः/राशेः | राश्योः | राशीनाम् |
| स.वि | राक्याम्/राशौ | राश्योः | राशिषु |



रामो राजमणिः सदा विजयते रामं रमेशं भजे रामेणाभिहता निशाचरचमूः रामाय तस्मै नमः। रामात् नास्ति परायणं परतरं रामस्य दासोऽस्म्यहम् रामे चित्तलयः सदा भवतु मे भो राम मामुद्धर ॥



Tricks for memorization

- Regular chanting
 - Set aside a fixed time slot for this activity
 - Everyday chant the Śabdarūpa-s from level-1 course
 - Chant the similar Śabda-s other than the ones in the course Ex देव, बाल, हर after राम Śabda क्षमा, दया, after रमा Śabda
 - Regular Writing
 - Set aside a **fixed time** slot for this activity
 - Everyday write 2 Śabdarūpa-s.



Tricks for memorization

- Observation and fun activities
 - Try to observe the Śabdarūpa-s used in Śloka-s that you chant your daily prayers
 - Identify अन्त and लिङ्ग for the names that you come across every day and write the Śabdarūpa-s for them
 - Ex Your name, your family member's name, your friend's name
 - Cover all forms by writing / memorizing them in random order
 - Ex Write only the पञ्चमी-विभक्ति-द्विवचन form for अकारान्त पुंलिङ्ग Write all three vacana-s for सप्तमी-विभक्ति in ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग
 - Play team games where teams has to provide the Śabdarūpa for a particular anta / vacana / vibhakti in fixed time (20 seconds)



अकारान्तः पुंलिङ्गः राम-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | रामः | रामौ | रामाः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे राम | हे रामौ | हे रामाः |
| द्वितीयाविभक्तिः | रामम् | रामौ | रामान् |
| तृतीयाविभक्तिः | रामेण | रामाभ्याम् | रामैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | रामाय | रामाभ्याम् | रामेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | रामात् | रामाभ्याम् | रामेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | रामस्य | रामयोः | रामाणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | रामे | रामयोः | रामेषु |

एवं हर, स्मर, शर इत्यादयः शब्दाः ।



आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः रमा-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | रमा | रमे | रमाः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे रमे | हे रमे | हे रमाः |
| द्वितीयाविभक्तिः | रमाम् | रमे | रमाः |
| तृतीयाविभक्तिः | रमया | रमाभ्याम् | रमाभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | रमायै | रमाभ्याम् | रमाभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | रमायाः | रमाभ्याम् | रमाभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | रमायाः | रमयोः | रमाणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | रमायाम् | रमयोः | रमासु |

एवं क्षमा इत्यादयः शब्दाः ।



अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः फल-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | फलम् | फले | फलानि |
| सम्बोधनप्रथमा | हे फल | हे फले | हे फलानि |
| द्वितीयाविभक्तिः | फलम् | फले | फलानि |
| तृतीयाविभक्तिः | फलेन | फलाभ्याम् | फलैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | फलाय | फलाभ्याम् | फलेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | फलात् | फलाभ्याम् | फलेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | फलस्य | फलयोः | फलानाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | फले | फलयोः | फलेषु |

एवं ज्ञान, वन, धन इत्यादयः शब्दाः ।



इकारान्तः पुंलिङ्गः हरि-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | हरिः | हरी | हरयः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे हरे | हे हरी | हे हरयः |
| द्वितीयाविभक्तिः | हरिम् | हरी | हरीन् |
| तृतीयाविभक्तिः | हरिणा | हरिभ्याम् | हरिभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | हरये | हरिभ्याम् | हरिभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | हरेः | हरिभ्याम् | हरिभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | हरेः | हर्योः | हरीणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | हरौ | हर्योः | हरिषु |

एवं गिरि, रवि इत्यादयः शब्दाः ।



उकारान्तः पुंलिङ्गः गुरु-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | गुरुः | गुरू | गुरवः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे गुरो | हे गुरू | हे गुरवः |
| द्वितीयाविभक्तिः | गुरुम् | गुरू | गुरून् |
| तृतीयाविभक्तिः | गुरुणा | गुरुभ्याम् | गुरुभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | गुरवे | गुरुभ्याम् | गुरुभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | गुरोः | गुरुभ्याम् | गुरुभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | गुरोः | गुर्वोः | गुरूणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | गुरौ | गुर्वोः | गुरुषु |

एवं तरु शब्दः ।



इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः मित-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|--------------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | मतिः | मती | मतयः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे मते | हे मती | हे मतयः |
| द्वितीयाविभक्तिः | मतिम् | मती | मतीः |
| तृतीयाविभक्तिः | मत्या | मतिभ्याम् | मतिभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | मत्यै, मतये | मतिभ्याम् | मतिभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | मत्याः, मतेः | मतिभ्याम् | मतिभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | मत्याः, मतेः | मत्योः | मतीनाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | मत्याम्, मतौ | मत्योः | मतिषु |

एवं श्रुति, रुचि, बुद्धि इत्यादयः शब्दाः ।



ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः नदी-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | नदी | नद्यौ | नद्यः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे निद | हे नद्यौ | हे नद्यः |
| द्वितीयाविभक्तिः | नदीम् | नद्यौ | नदीः |
| तृतीयाविभक्तिः | नद्या | नदीभ्याम् | नदीभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | नद्यै | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | नद्याः | नदीभ्याम् | नदीभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | नद्याः | नद्योः | नदीनाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | नद्याम् | नद्योः | नदीषु |

एवं गौरी, वाणी, सखी, देवी, कर्जी, दात्री इत्यादयः शब्दाः ।



ऋकारान्तः पुंलिङ्गः पितृ-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | पिता | पितरौ | पितरः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे पितः | हे पितरौ | हे पितरः |
| द्वितीयाविभक्तिः | पितरम् | पितरौ | पितॄन् |
| तृतीयाविभक्तिः | पित्रा | पितृभ्याम् | पितृभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | पित्रे | पितृभ्याम् | पितृभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | पितुः | पितृभ्याम् | पितृभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | पितुः | पित्रोः | पितॄणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | पितरि | पित्रोः | पितृषु |

एवं भ्रातृ, जामातृ, देवृ, सव्येष्ट्र इत्यादयः शब्दाः ।



ऋकारान्तः पुंलिङ्गः धातृ-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|-----------|
| प्रथमाविभक्तिः | धाता | धातारौ | धातारः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे धातः | हे धातारौ | हे धातारः |
| द्वितीयाविभक्तिः | धातारम् | धातारौ | धातॄन् |
| तृतीयाविभक्तिः | धात्रा | धातृभ्याम् | धातृभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | धात्रे | धातृभ्याम् | धातृभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | धातुः | धातृभ्याम् | धातृभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | धातुः | धात्रोः | धातॄणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | धातरि | धात्रोः | धातृषु |

एवं कर्तृ, दातृ, वक्तृ, नप्तृ इत्यादयः शब्दाः ।



ऋकारान्तः स्त्रीलिङ्गः मातृ-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | माता | मातरौ | मातरः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे मातः | हे मातरौ | हे मातरः |
| द्वितीयाविभक्तिः | मातरम् | मातरौ | मातॄः |
| तृतीयाविभक्तिः | मात्रा | मातृभ्याम् | मातृभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | मात्रे | मातृभ्याम् | मातृभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | मातुः | मातृभ्याम् | मातृभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | मातुः | मात्रोः | मातॄणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | मातरि | मात्रोः | मातृषु |

एवं यातृ, दुहितृ, ननान्दृ इत्यादयः शब्दाः ।



ऋकारान्तः स्रीलिङ्गः स्वसृ-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------|-------------|------------|
| प्रथमाविभक्तिः | स्वसा | स्वसारौ | स्वसारः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे स्वसः | हे स्वसारौ | हे स्वसारः |
| द्वितीयाविभक्तिः | स्वसारम् | स्वसारौ | स्वसॄः |
| तृतीयाविभक्तिः | स्वस्रा | स्वसृभ्याम् | स्वसृभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | स्वस्रे | स्वसृभ्याम् | स्वसृभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | स्वसुः | स्वसृभ्याम् | स्वसृभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | स्वसुः | स्वस्रोः | स्वसॄणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | स्वसरि | स्वस्रोः | स्वसृषु |



दकारान्तः पुंलिङ्गः तद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | सः | तौ | ते |
| सम्बोधनप्रथमा | | | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | तम् | तौ | तान् |
| तृतीयाविभक्तिः | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | तस्मिन् | तयोः | तेषु |

एवं त्यद् शब्दः ।



दकारान्तः स्त्रीलिङ्गः तद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | सा | ते | ताः |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | ताम् | ते | ताः |
| तृतीयाविभक्तिः | तया | ताभ्याम् | ताभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | तस्यै | ताभ्याम् | ताभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | तस्याः | ताभ्याम् | ताभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | तस्याः | तयोः | तासाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | तस्याम् | तयोः | तासु |

एवं त्यद् शब्दः ।



दकारान्तः नपुंसकलिङ्गः तद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | तत् | ते | तानि |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | तत् | ते | तानि |
| तृतीयाविभक्तिः | तेन | ताभ्याम् | तैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | तस्य | तयोः | तेषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | तस्मिन् | तयोः | तेषु |

एवं त्यद् शब्दः ।



दकारान्तः पुंलिङ्गः एतद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|------------|--------------|--------------|
| प्रथमाविभक्तिः | एषः | एतौ | एते |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | एतम्, एनम् | एतौ, एनौ | एतान्, एनान् |
| तृतीयाविभक्तिः | एतेन, एनेन | एताभ्याम् | एतैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | एतस्मै | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | एतस्य | एतयोः, एनयोः | एतेषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | एतस्मिन् | एतयोः, एनयोः | एतेषु |



दकारान्तः स्त्रीलिङ्गः एतद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|--------------|--------------|------------|
| प्रथमाविभक्तिः | एषा | एते | एताः |
| सम्बोधनप्रथमा | 1 | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | एताम्, एनाम् | एते, एने | एताः, एनाः |
| तृतीयाविभक्तिः | एतया, एनया | एताभ्याम् | एताभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | एतस्यै | एताभ्याम् | एताभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | एतस्याः | एताभ्याम् | एताभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | एतस्याः | एतयोः, एनयोः | एतासाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | एतस्याम् | एतयोः, एनयोः | एतासु |



दकारान्तः नपुंसकलिङ्गः एतद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|------------|--------------|--------------|
| प्रथमाविभक्तिः | एतत् | एते | एतानि |
| सम्बोधनप्रथमा | | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | एतत्, एनत् | एते, एने | एतानि, एनानि |
| तृतीयाविभक्तिः | एतेन, एनेन | एताभ्याम् | एतैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | एतस्मै | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | एतस्य | एतयोः, एनयोः | एतेषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | एतस्मिन् | एतयोः, एनयोः | एतेषु |



मकारान्तः पुंलिङ्गः किम्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | कः | कौ | के |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | कम् | कौ | कान् |
| तृतीयाविभक्तिः | केन | काभ्याम् | कैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | कस्मै | काभ्याम् | केभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | कस्मात् | काभ्याम् | केभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | कस्य | कयोः | केषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | कस्मिन् | कयोः | केषु |

एवं कतर, कतम शब्दावपि ।



मकारान्तः स्त्रीलिङ्गः किम्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | का | के | काः |
| सम्बोधनप्रथमा | | | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | काम् | के | काः |
| तृतीयाविभक्तिः | कया | काभ्याम् | काभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | कस्यै | काभ्याम् | काभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | कस्याः | काभ्याम् | काभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | कस्याः | कयोः | कासाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | कस्याम् | कयोः | कासु |

www.sanskritfromhome.org



मकारान्तः नपुंसकलिङ्गः किम्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | किम् | के | कानि |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | _ | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | किम् | के | कानि |
| तृतीयाविभक्तिः | केन | काभ्याम् | कैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | कस्मै | काभ्याम् | केभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | कस्मात् | काभ्याम् | केभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | कस्य | कयोः | केषाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | कस्मिन् | कयोः | केषु |



दकारान्तः त्रिलिङ्गः अस्मद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|------------|---------------|---------------|
| प्रथमाविभक्तिः | अहम् | आवाम् | वयम् |
| सम्बोधनप्रथमा | _ | | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | माम्, मा | आवाम्, नौ | अस्मान्, नः |
| तृतीयाविभक्तिः | मया | आवाभ्याम् | अस्माभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | मह्यम्, मे | आवाभ्याम्, नौ | अस्मभ्यम्, नः |
| पञ्चमीविभक्तिः | मत् | आवाभ्याम् | अस्मत् |
| षष्ठीविभक्तिः | मम, मे | आवयोः, नौ | अस्माकम्, नः |
| सप्तमीविभक्तिः | मयि | आवयोः | अस्मासु |



दकारान्तः त्रिलिङ्गः युष्मद्-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|--------------|------------------|----------------|
| प्रथमाविभक्तिः | त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| सम्बोधनप्रथमा | 1 | 1 | _ |
| द्वितीयाविभक्तिः | त्वाम्, त्वा | युवाम्, वाम् | युष्मान्, वः |
| तृतीयाविभक्तिः | त्वया | युवाभ्याम् | युष्माभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | तुभ्यम्, ते | युवाभ्याम्, वाम् | युष्मभ्यम्, वः |
| पञ्चमीविभक्तिः | त्वत् | युवाभ्याम् | युष्मत् |
| षष्ठीविभक्तिः | तव, ते | युवयोः, वाम् | युष्माकम्, वः |
| सप्तमीविभक्तिः | त्विय | युवयोः | युष्मासु |



इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः दिध-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | दधि | दधिनी | दधीनि |
| सम्बोधनप्रथमा | हे दधे, हे दधि | हे दिधनी | हे दधीनि |
| द्वितीयाविभक्तिः | दधि | दधिनी | दधीनि |
| तृतीयाविभक्तिः | दभ्रा | दधिभ्याम् | दधिभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | दध्ने | दधिभ्याम् | दधिभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | दध्नः | दधिभ्याम् | दधिभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | दध्नः | दध्नोः | दध्नाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | दिध्न, दधनि | दध्नोः | दधिषु |

एवम् अस्थि, सिक्थि, अक्षि इत्यादयः शब्दाः ।



इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः वारि-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|------------------|------------|-----------|
| प्रथमाविभक्तिः | वारि | वारिणी | वारीणि |
| सम्बोधनप्रथमा | हे वारे, हे वारि | हे वारिणी | हे वारीणि |
| द्वितीयाविभक्तिः | वारि | वारिणी | वारीणि |
| तृतीयाविभक्तिः | वारिणा | वारिभ्याम् | वारिभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | वारिणे | वारिभ्याम् | वारिभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | वारिणः | वारिभ्याम् | वारिभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | वारिणः | वारिणोः | वारीणाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | वारिणि | वारिणोः | वारिषु |



उकारान्तः नपुंसकलिङ्गः मधु-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------------|-----------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | मधु | मधुनी | मधूनि |
| सम्बोधनप्रथमा | हे मधो, हे मधु | हे मधुनी | हे मधूनि |
| द्वितीयाविभक्तिः | मधु | मधुनी | मधूनि |
| तृतीयाविभक्तिः | मधुना | मधुभ्याम् | मधुभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | मधुने | मधुभ्याम् | मधुभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | मधुनः | मधुभ्याम् | मधुभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | मधुनः | मधुनोः | मधूनाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | मधुनि | मधुनोः | मधुषु |

एवम् अम्बु, अश्रु, वस्तु इत्यादयः शब्दाः ।



अकारान्तः पुंलिङ्गः देव-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|---------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | देवः | देवौ | देवाः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे देव | हे देवौ | हे देवाः |
| द्वितीयाविभक्तिः | देवम् | देवौ | देवान् |
| तृतीयाविभक्तिः | देवेन | देवाभ्याम् | देवैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | देवाय | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | देवात् | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | देवस्य | देवयोः | देवानाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | देवे | देवयोः | देवेषु |

एवं मुकुन्द, शिव इत्यादयः शब्दाः ।



अकारान्तः पुंलिङ्गः कृष्ण-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------|--------------|------------|
| प्रथमाविभक्तिः | कृष्णः | कृष्णौ | कृष्णाः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे कृष्ण | हे कृष्णौ | हे कृष्णाः |
| द्वितीयाविभक्तिः | कृष्णम् | कृष्णौ | कृष्णान् |
| तृतीयाविभक्तिः | कृष्णेन | कृष्णाभ्याम् | कृष्णैः |
| चतुर्थीविभक्तिः | कृष्णाय | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | कृष्णात् | कृष्णाभ्याम् | कृष्णेभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | कृष्णस्य | कृष्णयोः | कृष्णानाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | कृष्णे | कृष्णयोः | कृष्णेषु |



इकारान्तः पुंलिङ्गः अग्नि-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------|-------------|-----------|
| प्रथमाविभक्तिः | अग्निः | अग्नी | अग्नयः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे अग्ने | हे अग्नी | हे अग्नयः |
| द्वितीयाविभक्तिः | अग्निम् | अग्री | अग्नीन् |
| तृतीयाविभक्तिः | अग्निना | अग्निभ्याम् | अग्निभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | अग्नये | अग्निभ्याम् | अग्निभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | अग्नेः | अग्निभ्याम् | अग्निभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | अग्नेः | अग्र्योः | अग्रीनाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | अग्नौ | अग्र्योः | अग्निषु |

एवं कवि, मुनि, विधि, निधि इत्यादयः शब्दाः ।



उकारान्तः पुंलिङ्गः शम्भु-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------|-------------|-----------|
| प्रथमाविभक्तिः | शम्भुः | शम्भू | शम्भवः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे शम्भो | हे शम्भू | हे शम्भवः |
| द्वितीयाविभक्तिः | शम्भुम् | शम्भू | शम्भून् |
| तृतीयाविभक्तिः | शम्भुना | शम्भुभ्याम् | शम्भुभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | शम्भवे | शम्भुभ्याम् | शम्भुभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | शम्भोः | शम्भुभ्याम् | शम्भुभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | शम्भोः | शम्बोः | शभूनाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | शम्भौ | शम्बोः | शम्भुषु |

एवं विष्णु, भानु, सूनु इत्यादयः शब्दाः ।



आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः सीता-शब्दः

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|------------------|----------|------------|----------|
| प्रथमाविभक्तिः | सीता | सीते | सीताः |
| सम्बोधनप्रथमा | हे सीते | हे सीते | हे सीताः |
| द्वितीयाविभक्तिः | सीताम् | सीते | सीताः |
| तृतीयाविभक्तिः | सीतया | सीताभ्याम् | सीताभिः |
| चतुर्थीविभक्तिः | सीतायै | सीताभ्याम् | सीताभ्यः |
| पञ्चमीविभक्तिः | सीतायाः | सीताभ्याम् | सीताभ्यः |
| षष्ठीविभक्तिः | सीतायाः | सीतयोः | सीतानाम् |
| सप्तमीविभक्तिः | सीतायाम् | सीतयोः | सीतासु |

एवं माला, लज्जा इत्यादयः शब्दाः ।





QUESTIONS/DOUBTS?

Email us @

<u>sanskritfromhome</u>

@vyomalabs.in









- For downloading course-materials, login @ www.sanskritfromhome.org
- Subscribe to our youtube channel @
 vyoma-samskrta-pathasala
- Buy our Samskrita-learning products@ www.digitalsanskritguru.com
- Support our cause for Samskrita-Samskriti @ vyoma.org



© 2024-25 All the content in this presentation is the intellectual property of Vyoma Linguistic Labs Foundation.

All materials shared in our website are purely for the purpose of personal study.

Replication/reuse in any form without written permission from the organisation is prohibited.



CONTRIBUTE now & create a transformation; link in the description below

Thank You For Watching

Don't forget to Subscribe, Like, Share, Comment

Click the bell

